

**MARK SCHEME for the May/June 2012 question paper
for the guidance of teachers**

0549 HINDI AS A SECOND LANGUAGE

0549/01

Paper 1 (Reading and Writing), maximum raw mark 60

This mark scheme is published as an aid to teachers and candidates, to indicate the requirements of the examination. It shows the basis on which Examiners were instructed to award marks. It does not indicate the details of the discussions that took place at an Examiners' meeting before marking began, which would have considered the acceptability of alternative answers.

Mark schemes must be read in conjunction with the question papers and the report on the examination.

- Cambridge will not enter into discussions or correspondence in connection with these mark schemes.

Cambridge is publishing the mark schemes for the May/June 2012 question papers for most IGCSE, GCE Advanced Level and Advanced Subsidiary Level syllabuses and some Ordinary Level syllabuses.

Page 2	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 1, Questions 1–5

Note: Remember that this exercise is marked for content (reading), not language.

1	शिशुपाल रोज़ाना बिस्तर से गांव वालों को खबरें सुनाते हैं। [1] <ul style="list-style-type: none"> • ऐसे बदला जैसे वह स्वयं जीते जागते रेडियो बन गए हों। • क्योंकि वह लाउडस्पीकर के सहारे खबरें सुनाते हैं। • गांव वालों को खबरों और ज़रूरी सूचनाएं सही समय पर देने के लिए 	Refuse शिशुपाल की खबरें गांववालों को बाहरी दुनिया से जोड़ें रखती हैं। <ul style="list-style-type: none"> • क्योंकि उनका जिस्म टूट गया था। • बिस्तर से उठ नहीं सकते थे।
2	माइक / लाउडस्पीकर [1]	
3	शिशुपाल गांव वालों को नशा न करने की सलाह देते हैं [1] <ul style="list-style-type: none"> • नशे से दूर रहने की सलाह देते हैं। • नशे की। 	यदि शब्द नशा लिखा हो तो स्वीकार न किया जाए
4	किन्हीं दो उत्तरों को स्वीकार करें राशन, गायब आभूषण खोए मवेशी [1+1]	पूरे गांव को खबरें देते रहते हैं
NB 2 correct answers on line 1, line 2 blank = 2; 2 correct answers on line 1, line 2 wrong = 1 (or vice versa)		
5	क्योंकि विज्ञापन दिखाना उनकी प्राथमिकता रहता है। [1] <ul style="list-style-type: none"> • ज़्यादा विज्ञापन दिखाते हैं। • सूचनाएं मुनाफ़े की भेंट चढ़ जाती हैं। 	

[Max total for exercise 1: 6 marks]

Page 3	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 2, Question 6

Note: correct spelling is essential throughout the form-filling exercise.

The conventions of form-filling (i.e. instructions to tick, circle, delete) must be observed with total accuracy.

<p>आयु – 16 (वर्ष) (यदि अंक हिंदी में लिखे जाएं तो उन्हें स्वीकार किया जाए।) [1] यदि नंबर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखें गए हैं तो दोनों ही उत्तर सही होने पर अंक दिए जाएं।</p>	<p>Refuse</p>
<p>ईमेल – gm61@art.ac.in [1]</p>	<p>यदि ईमेल पते में हिंदी अंक लिखें तो उन्हें स्वीकार न किया जाए।</p>
<p>पता – मकान न. 384, गणेश अपार्टमेंट, पूणा [1] यदि शहर का नाम पूणा, पूर्ण और पूर्ण लिखा हो तो उसे सही माना जाए। (यदि अंक हिंदी में लिखे जाएं तो उन्हें स्वीकार किया जाए।) यदि नंबर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखें गए हैं तो दोनों ही उत्तर सही होने पर अंक दिए जाएं।</p>	<p>पता लिखने में सही क्रम को अवश्य ध्यान दिया जाए।</p>
<p>दूरभाष – 255989801 [1] (यदि अंक हिंदी में लिखे जाएं तो उन्हें स्वीकार किया जाए।) यदि नंबर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में लिखें गए हैं तो दोनों ही उत्तर सही होने पर अंक दिए जाएं।</p>	
<p>स्कूल के बाद पोस्टर चित्रकला का विशेष प्रशिक्षण ले (रहे/रही है)। कर्ता का रूप केवल रहे और रही ही होना चाहिए [1]</p>	<p>यदि परीक्षार्थी द्वितीय और तृतीय वचन में लिखते हैं तो उत्तर सही न माना जाए।</p>
<ul style="list-style-type: none"> • विशेषकर बड़े फिल्मी / पोस्टरों को मैं ज्यादा पसंद करती हूं। • (पारंपरिक) भित्ति चित्र शैली [1+1] 	<p>यदि परीक्षार्थी द्वितीय और तृतीय वचन में लिखते हैं तो उत्तर सही न माना जाए।</p> <ul style="list-style-type: none"> • बचपन से ही मुझे रंग बिरंगे चित्र आकर्षित करते रहे हैं

[Max total for exercise 2: 7 marks]

Page 4	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 3, Questions 7–9

Note: correct responses only apply if they are placed under the correct sub-heading (as detailed below).

Remember that this exercise is marked for content (reading), not language.

<p>7 किन्हीं दो सही उत्तरों को स्वीकार करें</p> <ul style="list-style-type: none"> आई पी एल ने साबित कर दिया कि यह एक भारी लाभ का सौदा है। ऐसा विस्तार दिया है कि असर लंबे समय तक बना रहेगा। भारत में खेल उद्योग का आकार दस हजार करोड़ सालाना तक पहुंच चुका है। बाजारीकरण को बढ़ावा मिला है। [1+1] 	<p>Refuse</p> <ul style="list-style-type: none"> क्रिकेट में पैसों की भरमार रही है। क्रिकेट में भरपूर मात्रा में पैसा लगाया जा रहा है। आई. पी. एल. ने क्रिकेट की अर्थव्यवस्था को विस्तार दिया।
<p>NB 2 correct answers on line 1, line 2 blank = 2; 2 correct answers on line 1, line 2 wrong = 1 (or vice versa)</p>	
<p>8 किन्हीं दो सही उत्तरों को स्वीकार करें</p> <ul style="list-style-type: none"> खेलों ने उत्सव का रूप धारण कर लिया है मैच के हिसाब से लोग अपनी दिनचर्या तय करने लगे हैं। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी पैसे का दखल बढ़ा है। [1+1] 	<p>कैसे दिनचर्या पर असर करने लगे हैं कथन में बिना तर्क दिए उत्तर को स्वीकार न किया जाए।</p>
<p>NB 2 correct answers on line 1, line 2 blank = 2; 2 correct answers on line 1, line 2 wrong = 1 (or vice versa)</p>	

Page 5	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

<p>9 किन्हीं तीन सही उत्तरों को स्वीकार करें</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रायोजक पदक जीतने वाले को धन देती है। • कोडक जैसी कंपनी 1896 से ही आधुनिक खेलों से जुड़ी है / लंबे समय तक / कई वर्षों से प्रायोजक रही। उपर्युक्त बिन्दु में प्रायोजक अथवा लंबे समय तक शब्द का समावेश अनिवार्य है। • साथ ही कोका कोला जैसी कंपनी भी ओलंपिक खेलों में 1928 से प्रायोजक की भूमिका निभा रही है। कोका कोला भी 1928 से जुड़ी है / लंबे समय तक / कई वर्षों से प्रायोजक रही। उपर्युक्त बिन्दु में प्रायोजक अथवा लंबे समय तक शब्द का समावेश अनिवार्य है। • आयोजकों की आमदनी 866 मिलियन तक हो चुकी है। 	<ul style="list-style-type: none"> • कंपनियां अपने लाभ का एक अंश अन्य सुधार कार्यों के लिए दे रही हैं। कंपनियां स्वास्थ्य, शिशु कल्याण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत हैं। • बड़े खिलाड़ियों द्वारा लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। • कोका कोला और कोडक जुडी / हिस्सा हैं।
<p>NB 2 or 3 correct answers on one line and other two lines blank = 2/3 marks 2 or 3 correct answers on one line and other two lines wrong = 1 mark</p>	

[Max total for Exercise 3: 7 marks]

Page 6	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 4, Question 10

Count words and indicate when the 120 word limit has been reached with the slash (/) annotation tool.

Do not award language marks if there is no content to reward.

Content (up to 6 marks)

Tick the points listed below.

1. अर्थपावर अभियान के पहले वर्ष में ही करीब 35 देशों के पांच करोड़ लोगों ने अपनी बतियाँ बंद रखकर लोकप्रिय आंदोलन बनाया।
2. इस अभियान की शुरुआत सिडनी के 22 लाख लोगों ने अपने घर और इंडस्ट्री में एक घंटे गैर ज़रूरी बतियां बंद करके कीं।
3. 2009 में संख्या 88 तक पहुंच गई / 2009 में विश्व के चार हजार शहरों के लगभग आठ करोड़ लोग एक घंटे के लिए अपने घरों व कारखानों में बिजली के उपकरण बंद रखकर अर्थपावर मुहिम में शामिल हुए।
4. 2009 में 50 लाख लोगों ने एक घंटा बतियां बंद रखीं।
/ लगभग 56 शहरों ने एक घंटे के लिए बंद रखकर इस मुहिम में हिस्सा लिया।
5. एक घंटे में 1000 मेगावाट की बिजली बची, / 600 मेगावाट केवल दिल्ली शहर में बची।
6. 'अर्थपावर' की एक घंटे में ऊर्जा की बचत ने ग्लोबल वॉर्मिंग से जूझ रही दुनिया को नई राह दिखाई।
7. तीसरे वर्ष भी 125 देशों के करीब एक अरब से भी ज़्यादा लोगों ने इस संकल्प को दोहराया।
8. समय एक घंटे से बढ़ाकर ट्रेड घंटा किया गया।
9. निर्धारित समय में विश्व के आठ सौ से ज़्यादा प्रमुख स्मारकों / कंपनियों की बतियां बुझी रहीं।

Language (up to 4 marks)

0 marks: meaning obscure because of density of language errors and serious problems with expression/nothing of relevance

1 mark: expression weak/reliance on lifting without discrimination

2 marks: expression limited/some reliance on lifting from the original, but some sense of order

3 marks: expression good, with attempts to group and sequence ideas in own words

4 marks: expression very good; clear, orderly grouping and sequencing largely in own words

[Max total for Exercise 4: 10 marks]

Page 7	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 5, Questions 11–17

	सही	गलत
11F	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
12F	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
13T	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
14F	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>

Page 8	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Remember that this exercise is marked for content (reading), not language.

11J हेडमास्टर की बात सारे बच्चों के मतलब की नहीं है / कुछ बच्चे धूल में खेल और हंसी ठिठोली कर रहे हैं।		Refuse
12J यहां बच्चे कई (किलोमीटर) दूर से पैदल चलकर आते हैं। बच्चे चलकर आते हैं। [1]		
14J गलत, अब सरकारी चावल आता है [1]		

Page 9	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 5, Questions 15–17

Remember that this exercise is marked for content (reading), not language.

<p>15 बाबर अली की पहली भूमिका एक छात्र की है। [1] अली बारहवीं कक्षा का छात्र है।</p>	<p>Refuse पहली भूमिका अपने स्कूल से शुरू होती है। • स्कूल जाना</p>
<p>16 दोपहर को शिक्षा अभियान की सक्रिय सदस्य बन जाती है। [1] स्कूल के लिए बच्चे जोड़ना भी उनका काम है।</p>	
<p>17 हम छात्रों के साथ दोस्तों की तरह रह सकते हैं। [1] क्योंकि दोस्त हैं अनुशासन बनाने में कोई मुश्किल नहीं आती</p>	<p>उम्र का कम फासला वाक्य सही उत्तर न माना जाए।</p>

[Max total for Exercise 5: 10 marks]

Page 10	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

Exercise 6, Question 18

Award the answer a mark for **Content (C)** [out of 10] and a mark for **Language (L)** [out of 10] in accordance with the General Criteria table that follows.

- **Content** covers **relevance** (i.e. whether the piece fulfils the task and the awareness of purpose/audience/register) and the **development of ideas** (i.e. the detail/explanation provided and how enjoyable it is to read).
- **Language** covers **style** (i.e. complexity of vocabulary and sentence structure) and **accuracy** (of grammar, spelling, punctuation and use of paragraphs).
- When deciding on a mark for content or language, first of all decide which mark band is most appropriate. There will not necessarily be an exact fit. Then decide between 2 marks within that mark band. Use the lower mark if it only just makes it into the band and the upper mark if it fulfils all the requirements of the band but does not quite make it into the band above.
- When deciding on a mark for **content**, look at both **relevance** and **development of ideas**. First ask yourself whether the writing fulfils the task, in terms of points to be covered and the length. If it does, it will be in one of the top three mark bands.
- When deciding on a mark for **language**, look at both the **style** and the **accuracy** of the language. A useful starting point would be first to determine whether errors intrude. If they do not, it will be in one of the top three mark bands.
- The **use of paragraphs** should **not** be the primary basis of deciding which mark band the work is in. Look first at the language used and once you have decided on the appropriate mark band, you can use the paragraphing as a factor in helping you to decide whether the work warrants the upper or lower mark in the mark band.
- If the essay is considerably **shorter than the stated word length but does fulfil the task**, it should be put in mark band 5 – 6 for content.
- If the essay is considerably **shorter than the stated word length and does not fulfil the task**, it should be put in mark band 3 – 4 for content or lower.
- If the essay is **partly relevant** and therefore in mark band 3 – 4, the full range of marks for Language are available.
- If the essay is **totally irrelevant** and has nothing to do with the question asked, it should be given 0 marks for Content and Language, even if it is enjoyable to read and fluent.

[Max. total for Exercise 6: 20 marks]

Page 11	Mark Scheme: Teachers' version	Syllabus	Paper
	IGCSE – May/June 2012	0549	01

GENERAL CRITERIA FOR MARKING EXERCISE 6

Mark band	CONTENT: relevance and development of ideas (AO: W1, W2, W6)	Mark band	LANGUAGE: style and accuracy (AO: W1, W3, W4, W5)
9–10	<p>Highly effective:</p> <ul style="list-style-type: none"> Relevance: Fulfils the task, with consistently appropriate register and excellent sense of purpose and audience. Development of ideas: Shows independence of thought. Ideas are well developed, at appropriate length and persuasive. Quality is sustained throughout. Enjoyable to read. The interest of the reader is aroused and sustained. 	9–10	<p>Fluent:</p> <ul style="list-style-type: none"> Style: Almost first language competence. Ease of style. Confident and wide-ranging use of language, idiom and tenses. Accuracy: None or very few errors. Well-constructed and linked paragraphs.
7–8	<p>Effective:</p> <ul style="list-style-type: none"> Relevance: Fulfils the task, with appropriate register and good sense of purpose and audience. Development of ideas: Ideas are well developed and at appropriate length. Engages reader's interest. 	7–8	<p>Precise:</p> <ul style="list-style-type: none"> Style: Sentences show variety of structure and length. Some style and turn of phrase. Uses some idioms and is precise in use of vocabulary. However, there may be some awkwardness in style making reading less enjoyable. Accuracy: Generally accurate, apart from occasional frustrating minor errors. There are paragraphs showing some unity, although links may be absent or inappropriate.
5–6	<p>Satisfactory:</p> <ul style="list-style-type: none"> Relevance: Fulfils the task, with reasonable attempt at appropriate register, and some sense of purpose and audience. A satisfactory attempt has been made to address the topic, but there may be digressions. Development of ideas: Material is satisfactorily developed at appropriate length. 	5–6	<p>Safe:</p> <ul style="list-style-type: none"> Style: Mainly simple structures and vocabulary, sometimes attempting more sophisticated language. Accuracy: Meaning is clear, and work is of a safe, literate standard. Simple structures are generally sound, apart from infrequent spelling errors, which do not interfere with communication. Grammatical errors occur when more sophistication is attempted. Paragraphs are used but without coherence or unity.
3–4	<p>Partly relevant:</p> <ul style="list-style-type: none"> Relevance: Partly relevant and some engagement with the task. Does not quite fulfil the task, although there are some positive qualities. Inappropriate register, showing insufficient awareness of purpose and/or audience. Development of ideas: Supplies some detail and explanation, but the effect is incomplete. Some repetition. 	3–4	<p>Errors intrude:</p> <ul style="list-style-type: none"> Style: Simple structures and vocabulary. Accuracy: Meaning is sometimes in doubt. Frequent distracting errors hamper precision and slow down reading. However, these do not seriously impair communication. Paragraphs absent or inconsistent.
0–2	<p>Little relevance:</p> <ul style="list-style-type: none"> Limited engagement with task, but this is mostly hidden by density of error. Award 1 – 2 marks. No engagement with the task, or any engagement with task is completely hidden by density of error. Award 0 marks. If essay is completely irrelevant, no mark can be given for language. 	0–2	<p>Hard to understand:</p> <ul style="list-style-type: none"> Multiple types of error in grammar/spelling/word usage/punctuation throughout, which most make it difficult to understand. Occasionally, sense can be deciphered. Paragraphs absent or inconsistent. Award 1 – 2 marks. Density of error completely obscures meaning. Whole sections impossible to recognise as pieces of Hindi writing. Paragraphs absent or inconsistent. Award 0 marks.